

# हरिभूमि सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, रविवार, 17 अगस्त 2025

11 सड़कों पर उतरे मन्रेगा मजदूर, पुलिस ने कैबिनेट मंत्री के...



12 'हाथी घोड़ा पालकी-जय कन्हैया लाल की' के जयघोषों से...



फतेहाबाद। ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण करते मुख्यातिथि कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा व जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते स्कूली बच्चे।

फोटो: हरिभूमि

फतेहाबाद। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में परेड की सलामी लेते कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा।

फोटो: हरिभूमि

## कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने फतेहाबाद में किया ध्वजारोहण, बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति स्वतंत्रता दिवस केवल कैलेंडर की तारीख नहीं करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का दिन : गंगवा

अमर वीर शहीदों को किया नमन

हरिभूमि न्यूज | फतेहाबाद

79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रदेश के जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी तथा लोक निर्माण विभाग के मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और राष्ट्रगान की धुन के साथ ध्वजारोहण किया। उन्होंने परेड की टुकड़ियों का निरीक्षण किया। परेड कमांडर डीएसपी जगदीश काजला के नेतृत्व में परेड की टुकड़ियों ने शानदार मार्चपास्ट किया और राष्ट्रध्वज को सलामी देते हुए मंच के सामने से गुजरी। इससे पहले मुख्यातिथि कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने लघु सचिवालय



फतेहाबाद। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में मंचासीन कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा व अन्य, टीकों को सम्मानित करते हुए कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा व कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते जिला प्रशासन के अधिकारी।

फोटो: हरिभूमि

समीप शहीदी स्मारक पर अमर वीर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि आज का यह दिन केवल कैलेंडर की तारीख नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का दिन है, जो हमें याद दिलाता है मां भारती के असंख्य वीरों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर हमें

आजादी दिलाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 7 मई की रात को हमारे बहादुर सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। यह एक सटीक और साहसिक अभियान था, जिसमें हमारी सेना ने पाकिस्तान की सरजमीं पर जाकर आतंकवाद के 9 ठिकानों को ध्वस्त किया। इसके पश्चात एक और निर्णायक कार्रवाई की गई और ऑपरेशन महादेव चलाकर हमारे

सुरक्षाबलों ने पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को समाप्त करने का काम किया। यह केवल प्रतिशोध नहीं था, यह आतंकवाद के खिलाफ हमारा संदेश है कि भारत अब चुप नहीं बैठेगा और आतंक के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई अमल में लाएगा। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री ने उपस्थित जन को नशा न करने की सामूहिक शपथ भी दिलाई।

### रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नताशा शर्मा, उपयुक्त मन्दीप कौर, एसपी सिद्धांत जैन, पूर्व विधायक दुर्गाराम, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, चेयरमैन प्रो. रविंद्र बलियाला, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, पूर्व आईपीएस दलबीर भारती, एसपी दिव्यांशु सिंगला, एडीसी अनुराग दालिया, एसडीएम राजेश कुमार, डीएसपी संजय विश्वाश, जिए सीईओ सुरेश कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता, कार्यक्रम में विशेष रूप से मौजूद रहे। उपयुक्त के पिता जसविंद सिंह, माता महेंद्र कौर, पुत्री सरिन, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उप निदेशक अमित पंवार, नप उपाध्यक्ष सविता टुट्टा, सचिव विंग कमांडर सुजाता, डीईओ संगीता विश्वाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, विभिन्न स्कूलों के बच्चे व क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

### सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में विभिन्न स्कूली बच्चों ने देश भक्ति के साथ साथ हरियाणवी, पंजाबी व देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी। इसके अलावा विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने लेजियम, पीटी, डंबल शो और योगा शो के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि ने स्वतंत्रता सेनानियों, शहीद परिवारों व उनके आश्रितों को उनके पास जाकर सम्मानित किया। इसके अलावा कैबिनेट मंत्री ने उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले 37 अधिकारियों, कर्मचारियों, खिलाड़ियों व विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया। परेड में प्रथम पुरस्कार संयुक्त रूप से महिला पुलिस बल व पुरुष पुलिस बल, द्वितीय पुरस्कार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मताना के प्रजातंत्र के प्रहरी तथा तृतीय पुरस्कार एमएम कॉलेज एनसीसी कन्या वरिष्ठ डिवाजन ने प्राप्त किया।

**TATA** की पेशकश

# Festival of Diamonds

## TANISHQ

जिंदगी के हर पहलू को दें अपनी चमक

SPARKLE DOESN'T STOP HERE  
SCAN TO EXPLORE MORE

**20% OFF**  
**10,000+**  
डिज़ाइनों पर

TANISHQ x DE BEERS GROUP  
For Natural Diamonds

To locate your nearest store and know more on 6366920017. Buy online at [tanishq.co.in](http://tanishq.co.in) or Download our App \*Conditions apply.

नया शोरूम :- तनिष्क, बस स्टैंड के पास, हिसार रोड, सिरसा, टेली. : 86077 80000

■ एसआईपी के अलावा भी कुछ विकल्प दे सकते हैं | ■ मोटा पैसा कमाने के लिए आपको रणनीति बनाकर आगे बढ़ना होगा | ■ रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर के लिए एसआईपी पर्याप्त नहीं



## पत्नी के साथ मिलकर बनाएं कल की प्लानिंग

- ▶ 1, 2 नहीं इन 5 ऑप्शन को फॉलो करके फुल मोज में कटेगा बुढ़ापा
- ▶ रिटायरमेंट प्लानिंग केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार की जिम्मेदारी
- ▶ कपल मिलकर सही समय पर निवेश और फाइनेंशियल प्लान बनाएं

अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए अपनी पत्नी के साथ मिलकर अच्छी प्लानिंग करें। इससे आपका बुढ़ापा मस्ती में कटेगा। कहा भी गया है कि रिटायरमेंट प्लानिंग एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे परिवार की साझा जिम्मेदारी है। आने वाले कल को सुरक्षित करने के लिए सही समय पर सही इन्वेस्टमेंट प्लानिंग की बहुत जरूरत होती है। यही कारण है कि समय रहते रिटायरमेंट की प्लानिंग करना भी बहुत जरूरी होता है। आज के समय में रिटायरमेंट प्लानिंग केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि पूरे परिवार के लिए एक शेयर होने वाली जिम्मेदारी होती है, खासकर कपल के लिए। अब आप रिटायरमेंट के लिए अपनी पत्नी के मिलकर बेहतर प्लानिंग करें। लाइफ के साथ मिलकर प्लानिंग बनाने से आप शानदार प्यूर बन सकते हैं।

**बीमा स्कीम की समीक्षा करें**  
हर किसी के लिए एक सेफ रिटायरमेंट के लिए बीमा बहुत जरूरी होता है। अपनी हेल्थ बीमा पॉलिसियों की समीक्षा करें और तय करें कि वे रिटायरमेंट के बाद के विकल्पों को कवर करती हैं। आपकी बढ़ती उम्र के साथ मेडिकल खर्च भी बढ़ते हैं, तो इसलिए पर्याप्त कवरेज होना हर किसी के लिए बहुत जरूरी होता है।

**टाइम टू टाइम समीक्षा करें**  
आपकी रिटायरमेंट योजना हमेशा एक ऐसी नहीं रह सकती है जो इसलिए जीवन में बदलाव आते रहते हैं, तो ऐसे में अपनी वित्तीय योजना की समय-समय पर समीक्षा करना जरूरी है। और उसमें जरूरत के अनुसार बदलाव करना अहम होता है। हर साल या कुछ सालों में अपने निवेश, लक्ष्यों और बजट की समीक्षा करें ताकि आप सही रास्ते पर बने रहें। यानी कि वे कदम आपको और आपके जीवनसाथी को फाइनेंशियल स्थिरता और सुरक्षा के साथ-साथ एक आरामदायक और खुशहाल रिटायरमेंट के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं।

**खर्चों का आकलन करें**  
रिटायरमेंट के बाद की लाइफ के लिए जरूरी मंथली खर्चों का अनुमान लगाना बहुत जरूरी होता है। इसमें

# करोड़पति बनना है तो आप जान लें निवेश के कुछ 'ब्लॉकबस्टर' टिप्स

**निवेश मंत्रा**  
**बिजनेस डेस्क**  
आजकल ज्यादातर लोग, स्पेशली युवा, अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग को पूरा करने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को अपना रहे हैं। एसआईपी शुरू करना फाइनेंशियल अनुशासन की दिशा में एक शानदार पहला कदम है, लेकिन, क्या केवल एसआईपी शुरू कर देना ही आने वाले कल के लिए काफी है? असल में लंबी अवधि के टारगेट जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने के लिए, केवल एसआईपी करना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए एक संपूर्ण और मजबूत प्लानिंग की आवश्यकता होती है। तो फिर आइए इस रिपोर्ट के जरिये जानते हैं निवेश के कुछ ब्लॉक बस्टर कदम जो आपको करोड़पति बनने में अहम भूमिका निभा सकते हैं और आपको कम समय में ही अच्छा मुनाफा दिलवाने में सक्षम हैं।



**फाइनेंशियल टारगेट को परिभाषित करें**  
एसआईपी तो बस एक निवेश का एक जरिया है, लेकिन टारगेट क्या है? सबसे पहले, आपको अपने सभी दीर्घकालिक लक्ष्यों को साफ रूप से परिभाषित करना चाहिए और एक गोल बनाकर आगे बढ़ना होगा।  
**● लक्ष्यों को पट्टा दें:** क्या आपका टारगेट 10 साल में बच्चों की हाई एजुकेशन है, 20 साल में रिटायरमेंट है, या 5 साल में घर के लिए डाउन पेमेंट है?  
**● लागत का अनुमान लगाएं:** हर टारगेट के लिए जरूरी राशि का अनुमान लगाएं, इसमें प्यूरच की महंगाई को भी शामिल करें। उदाहरण के लिए, अगर आज बच्चों की इंजीनियरिंग की पढ़ाई पर 20 लाख रुपये खर्च होते हैं, तो 15 साल बाद महंगाई के साथ यह राशि कहीं अधिक होगी।  
**● क्यों जरूरी:** जब आपको पता होगा कि आपको कब और कितने पैसे की जरूरत हो सकती है, तभी आप सही निवेश रणनीति बना पाएंगे।

**पोर्टफोलियो को विविधतापूर्ण बनाएं**  
**● एसआईपी तो इक्विटी में है, लेकिन क्या इतना काफी है?** 'अपने सारे अंडे एक ही टोकरी में न रखें' यह निवेश का सबसे पुराना और सबसे अहम नियम है।  
**● इक्विटी के अलावा निवेश करें:** हमेशा अपने पोर्टफोलियो में सिर्फ एसआईपी ही ना रखें। उसमें इक्विटी के साथ-साथ डेट और अन्य संपत्तियों का मिश्रण भी होना ही चाहिए।  
**● विविधता के विकल्प:** आप अपनी रिस्क लेने की क्षमता अनुसार पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ), फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस), और यहां तक कि सोना या रियल एस्टेट जैसे ऑप्शन में भी निवेश कर सकते हैं।  
**● क्यों जरूरी:** यह आपके पोर्टफोलियो में स्थिरता ला सकता है। यानी कि यदि शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो आपके दूसरे निवेश आपके पोर्टफोलियो को गिरने से बचाते हैं।

**बीमा और आपातकालीन निधि बनाएं**  
**● आपकी यात्रा की सुरक्षा कैसे होगी?** यानी कि एक मजबूत फाइनेंशियल योजना की नींव सुरक्षा पर टिकी होती है। अगर आप बिना बीमा और इमरजेंसी के निवेश करते हैं, तो एक भी दुर्घटना आपकी पूरी योजना को ध्वस्त कर सकती है।  
**● आपातकालीन निधि:** कम से कम 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर की राशि एक ऐसे खाते में रखें, जिसे आप आसानी से निकाल सकें। ये इमरजेंसी फंड नौकरी छूटने या मेडिकल इमरजेंसी जैसी स्थितियों में आपके एसआईपी को तोड़ने से बचाएगा।  
**● पर्याप्त बीमा:** अपने परिवार को फाइनेंशियल रूप से सेफ रखने के लिए पर्याप्त लाइफ इंश्योरेंस (खासकर टर्म प्लान) और हेल्थ इंश्योरेंस जरूर लें।  
**● क्यों जरूरी:** यह आपके लॉन्ग टर्म निवेश को अप्रत्याशित वित्तीय झटकों से बचाता है।

**निवेश की राशि को बढ़ाएं**  
**● आपकी इनकम तो बढ़ेगी, तो निवेश क्यों नहीं?** जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपके निवेश को भी बढ़ाना चाहिए।  
**● क्या करें:** हर साल अपनी एसआईपी की राशि को अपनी आय में हुई ग्रोथ के अनुसार 10-15% तक बढ़ाएं। इसे 'स्टेप-अप एसआईपी' कहा जाता है। ऐसा करने से निवेशक कम समय में अपने टारगेट तक पहुंच सकते हैं और महंगाई के प्रभाव को भी कम कर सकते हैं।  
**● क्यों करें:** मुद्रास्फीति आपके पैसे की क्रय शक्ति को घटाती है। निवेश को बढ़ाकर आप यह तय करते हैं कि आपके लक्ष्य की वाकई में लागत कवर हो।  
**योजना की समय पर समीक्षा करें**  
**● क्या आपकी गाड़ी सही रास्ते पर है?** आपकी वित्तीय यात्रा एक सीधी रेखा नहीं है। इसमें कई मोड़ आते हैं।  
**● क्या करें:** साल में आप कम से कम एक बार तो जरूर ही अपनी वित्तीय योजना और निवेश पोर्टफोलियो की समीक्षा करें। इसमें देखें कि क्या आपके निवेश आपके लक्ष्यों के अनुरूप प्रदर्शन कर रहे हैं या फिर नहीं। अगर आपके जीवन में कोई बड़ा बदलाव (जैसे शादी, बच्चा या नई नौकरी) आता है, तो अपनी योजना में जरूरी बदलाव करना चाहिए।  
**● क्यों जरूरी:** समीक्षा करने से आप यह तय करते हैं कि आप हमेशा सही रास्ते पर हैं और अपने टारगेट को समय पर प्राप्त कर पाएंगे।  
**एसआईपी सिर्फ एक मंजिल**  
**● अब आप समझ रहे होंगे कि एसआईपी शुरू करना एक बहुत अच्छी शुरुआत है, लेकिन यह मंजिल नहीं है।** अपने लॉन्ग टर्म के फाइनेंशियल टारगेट को पाने के लिए एक पूरी प्लानिंग की जरूरत होती है, जिसमें लक्ष्य-आधारित इन्वेस्टमेंट, विविधीकरण, सुरक्षा और नियमित समीक्षा शामिल हो।

## आज ही बना लें मुश्किल वक्त के लिए 'एटीएम'

सुरीबत हम सभी की लाइफ में कब आ जाए हममें से कोई नहीं जानता है, लेकिन सुरीबत से पार पाने के लिए इमरजेंसी फंड का होना बहुत जरूरी होता है। असल में इमरजेंसी फंड एक ऐसी धनराशि होती है, जिसे आप किसी भी अप्रत्याशित खर्च या वित्तीय संकट के समय यूज करने के लिए अलग से रखते हैं। यह आपको अचानक आई परेशानियों, जैसे नौकरी छूटना, मेडिकल इमरजेंसी या घर की मरम्मत आदि से निपटने में मदद करता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि इमरजेंसी फंड कैसे तैयार करें।  
**बनट बनाएं और लक्ष्य तय करें:** आप सबसे पहले, अपने मंथली खर्चों का हिसाब लगाएं। इसके बाद आपका तय करें कि आपको कम से कम 3 से 6 महीने के खर्चों को कवर करने के लिए कितने फंड की जरूरत पड़ा सकती है। यह साफ टारगेट आपको बताने में मदद कर सकता है।  
**छोटे कदम से शुरुआत करें:** लाइफ में हमेशा एक बड़ा फंड बनाने में सभी को टाइम लगता है। तो आप हर महीने अपनी इनकम का एक छोटा हिस्सा बचाना शुरू कर सकते हैं, भले ही यह छोटी राशि हो, नियमित रूप से बचत करने से यह समय के साथ एक बड़ा फंड बन जाएगा।  
**बचत को ऑटोमेट करें:** आप हमेशा के लिए बचत को अपनी आदत बनाने के लिए, अपनी सैलरी अकाउंट से एक अलग बचत खाते में हर मंथ एक फिक्स्ड अमाउंट का ऑटोमैटिक ट्रांसफर सेट कर दें। ऐसा करने से आपकी सैलरी आते ही इमरजेंसी के लिए बचत हो जाएगी और आप इसे भूलकर से बच जाएंगे।  
**कर्म कम करने को प्राथमिकता दें:** तो अगर आप पर कोई हाई ब्याज वाला कर्ज (जैसे क्रेडिट कार्ड का कर्ज) है, तो सबसे पहले उसे चुकाने पर ध्यान देना चाहिए। हमेशा कर्ज से मुफ्त तरह से प्री होने के बाद, आप अपने इमरजेंसी फंड के लिए अधिक बचत कर सकते हैं।  
**अलग और सुरक्षित जगह पर रखें:** अपने इमरजेंसी फंड को अपने सामान्य बचत खाते से अलग रखें। इनको ऐसे ऑप्शन में इन्वेस्टमेंट करें जो सेफ हो और जिन्हें जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाला भी जा सके।

## कारोबार आइडिया

- अगर आप ऐसा बिजनेस चाहते हैं जिसकी मांग कभी कम न हो, तो आटे का बिजनेस करें
- भारत के कई हिस्सों में रोटी रोजमर्रा के भोजन का अहम हिस्सा, गुणवत्तापूर्ण आटे की डिमांड हमेशा रहती है व कमाई की संभावना लगातार

**बिजनेस डेस्क**  
अगर आप भी नौकरी के अलावा बिजनेस करके खुद को स्टेबल कर मोटी कमाई करना चाहते हैं तो आपके लिए आटे का बिजनेस बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इससे आप कम लागत में अच्छी कमाई का जुगाड़ लगा सकते हैं। रोटी भारतीय खानपान का अहम हिस्सा है, इसलिए इस बिजनेस की मांग हमेशा बनी रहती है। हर कोई चाहता है कि उसका बिजनेस लगातार चलता रहे और उसकी मांग कभी कम न हो। ऐसे में आटे का बिजनेस एक सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प बन सकता है। इसे शुरू करने के लिए लगभग 2.50 लाख रुपये तक का निवेश पर्याप्त है। भारत के उत्तर, मध्य और पूर्वी राज्यों में रोटी रोजाना के खानपान का जरूरी हिस्सा है, जिससे गेहूँ के आटे की खपत हमेशा बनी रहती है। यही कारण है कि इस कारोबार में मंदी आने की संभावना बेहद कम है। अगर आप सही मशीनरी, साफ-सुथरी प्रोसेसिंग और आकर्षक पैकिंग का इस्तेमाल करें, तो ये बिजनेस जल्दी ही स्थायी कमाई का जरिया बन सकता है। गुणवत्तापूर्ण आटे की हमेशा डिमांड रहती है और ग्राहक अच्छे ब्रांड को पसंद करते हैं। सही प्लानिंग के साथ आप कम लागत में इस बिजनेस की मजबूत शुरुआत कर सकते हैं और धीरे-धीरे इसे बड़े स्तर पर ले जा सकते हैं।

## 2.50 लाख में शुरू कर सकते हैं आटे का बिजनेस, हर महीने कर लेंगे मोटी कमाई

**कहां से मिलेगा कच्चा माल**  
गेहूँ की उपलब्धता ग्रामीण इलाकों और उनके आसपास आसानी से हो जाती है। लोग हमेशा शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण आटा पसंद करते हैं, जिससे इस कारोबार का बाजार लगातार मजबूत बना रहता है। गेहूँ के लिए किसानों से संपर्क करें। इसके बाद जैसे ही फसल आए किसानों से गेहूँ खरीद लें। फसल के मौके पर आपको सस्ता अनाज मिल सकता है। इसे एक कमरे में स्टोर कर लें। इसके बाद असानी से इसकी पिसाई कर बेचते रहें। गेहूँ को अच्छे से सुखाकर स्टोर करेंगे तो यह खराब नहीं होगा और रोटी भी बढ़िया आएगी। खेतों में गेहूँ की फसल होली के बाद आ जाती है। इसलिए आपको गेहूँ खरीदने के लिए मार्च में की प्रयास शुरू कर देना चाहिए। सोधे खेतों से बढ़िया क्वालिटी का गेहूँ खरीदें और आ बनाकर बेचते रहें। सबसे पहले गेहूँ की धुलाई और सुखाने की प्रक्रिया पूरी करें। इसके बाद सुखाए हुए गेहूँ को मशीन से पीसकर आटा तैयार करें। अंत में इसे आकर्षक पैकिंग में भरें, ताकि ग्राहक तुरंत आकर्षित हों और ब्रांड पर भरोसा करें।  
**शुरुआती लागत पर ध्यान**  
इस बिजनेस में मशीनरी के लिए लगभग 1.25 लाख रुपये की जरूरत होगी, जिसमें चक्की, रोस्टर, सीलिंग मशीन, वजन तराजू, गैस कनेक्शन और बर्तन शामिल हैं। बर्किंग कैपिटल के रूप में करीब 1 लाख रुपये लगेंगे, जिसमें कच्चा माल, वेतन, बिजली और गैस का खर्च शामिल होगा। इसके अलावा, बिल्डिंग पर 25,000 तक खर्च रुपये आ सकता है। इस तरह कुल निवेश 2.50 लाख रुपये के आसपास होगा।  
**हर महीने कितना मुनाफा**  
मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक, इस बिजनेस से हर महीने करीब 1.15 लाख रुपये की बिक्री हो सकती है। वहीं, मासिक खर्च करीब 1.05 लाख रुपये तक रहेगा। यानी आपको हर महीने लगभग 10,000 रुपये या उससे ज्यादा का शुद्ध मुनाफा मिल सकता है, जो बिजनेस बढ़ने के साथ और बढ़ेगा।

## वर्गों में आटे का बिजनेस फायदेमंद

रोटी भारतीय खानपान का अहम हिस्सा है, इसलिए इस बिजनेस की मांग हमेशा बनी रहती है। छोटे निवेश से भी इसकी शुरुआत की जा सकती है और क्वालिटी व पैकिंग पर ध्यान देकर इसे तेजी से बढ़ाया जा सकता है। सही मार्केटिंग के साथ आप इसे एक भरोसेमंद ब्रांड में बदल सकते हैं।

- आटा बेचने के लिए विकल्प**
- ▶ **भारत आटा बिक्री केंद्र:** सरकार द्वारा संचालित भारत आटा बिक्री केंद्रों पर आटा बेचा जा रहा है, जहाँ इसकी कीमत 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम है। ये केंद्र देशभर में 800 मोबाइल वैन और 2,000 से अधिक दुकानों के माध्यम से आटा बेच रहे हैं।
  - ▶ **मदर डेयरी के सफल स्टोर:** आप मदर डेयरी के सफल स्टोर से भी भारत ब्रांड का आटा खरीद सकते हैं।
  - ▶ **नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार:** सरकार ने नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार के माध्यम से भारत आटा और चावल की खुदरा बिक्री शुरू की है।
  - ▶ **स्थानीय बाजार:** आप अपने स्थानीय बाजार में भी आटा बेच सकते हैं या खरीद सकते हैं। कई स्थानीय बाजारों में आटे की दुकानें होती हैं जो ताजा और स्वादिष्ट आटा बेचती हैं।
  - ▶ **आनलाइन प्लेटफॉर्म:** आप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करके भी आटा बेच सकते हैं या खरीद सकते हैं। कई ऑनलाइन स्टोर और वेबसाइटें आटे की बिक्री करती हैं।

# अब नया इनकम टैक्स कानून देगा लाखों टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत

**जानकारी**  
**बिजनेस डेस्क**  
सद ने इनकम टैक्स बिल 2025 का संशोधित रूप से पास करते समय ऐसी कई गलतियों या खामियों को ठीक कर दिया है, जो पुराने ड्राफ्ट में हो गई थीं। इन संशोधनों को पास किए जाने से देश के लाखों टैक्सपेयर्स को भारी राहत मिलेगी। केंद्र सरकार द्वारा किए गए इन बदलावों में निल टीडीएस सर्टिफिकेट, हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन, नॉन-एम्प्लॉइज के लिए पेंशन छूट और गुमाना दान के नियमों में सुधार जैसे कई अहम प्रावधान शामिल हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी कुछ बहम बदलाव जो टैक्सपेयर्स के ऊपर कई अच्छे असर डालेंगे। इससे आयकर रिटर्न भरना भी आसान हो जाएगा और कोई दिक्कत नहीं आएगी।

**जीरो टीडीएस सर्टिफिकेट पर सुधारी गड़बड़ी**  
पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 में धारा 197 के तहत निल यानी जीरो और लोअर टीडीएस सर्टिफिकेट दोनों का प्रावधान था, लेकिन नए बिल के शुरुआती ड्राफ्ट में निल शब्द हटा दिया गया था। इससे उन टैक्सपेयर्स के लिए परेशानी खड़ी हो सकती थी, जिनकी आय बेसिक छूट सीमा या सेक्शन 87ए रिबेट के बाद टैक्स फ्री होती है। संशोधित बिल में अब फिर से निल शब्द जोड़ दिया गया है, जिससे साफ हो गया है कि जरूरत पड़ने पर टैक्सपेयर्स निल टीडीएस सर्टिफिकेट ले सकते हैं। इससे अनावश्यक विवाद और रिफंड के झंझट से बचा जा सकेगा।  
**नॉन-एम्प्लॉइज को मिलेगी पेंशन टैक्स छूट**  
पहले ड्राफ्ट में कम्प्यूटेड पेंशन पर छूट सिर्फ कर्मचारियों को दी गई थी, जबकि मौजूदा कानून में यह सुविधा नॉन-एम्प्लॉइज को भी मिलती है, बशर्ते पेंशन अप्रूव्ड पेंशन फंड से आई हो। समिति ने इस असमानता को दूर करते हुए सिफारिश की कि नॉन-एम्प्लॉइज को भी यह छूट दी जाए। संशोधित बिल में यह बदलाव कर दिया गया है, जिससे अब सभी पात्र लोग, चाहे वे सैलरीड हों या न हों, पेंशन की पूरी राशि पर छूट पा सकेंगे।

**हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन की स्पष्टता**  
नए बिल में साफ कर दिया गया है कि हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर 30% का स्टैंडर्ड डिडक्शन म्यूनििसिपल टैक्स घटाने के बाद ही मिलेगा, जैसा कि मौजूदा कानून में है। इसके अलावा, पहले ड्राफ्ट में प्री-कंस्ट्रक्शन लोन इंटरस्ट डिडक्शन सिर्फ सेल्फ-ऑक्ज्यूपाइड प्रॉपर्टी के लिए था, जिससे किराए पर दी गई प्रॉपर्टी के मालिकों को नुकसान होता। संशोधित बिल में अब किराए पर दी गई या मानी हुई किराए पर दी गई प्रॉपर्टी के लिए भी यह डिडक्शन बहाल कर दिया गया है।  
**गोपनीय दान पर छूट के पुराने नियम बहाल**  
गैर-लाभकारी संगठनों के लिए पुराने कानून में कुल डोनेशन का 5% तक गुमाना या गुप्त दान टैक्स फ्री होता था। नए बिल के पहले ड्राफ्ट में इसे गुमाना दान का 5% कर दिया गया था, जिससे छूट का दायरा काफी घट जाता। समिति की सिफारिश के बाद संशोधित बिल में अब फिर से कुल डोनेशन का 5% वाला प्रावधान बहाल कर दिया गया है। इससे एनजीओ और चैरिटेबल ट्रस्ट पर टैक्स का बोझ नहीं बढ़ेगा।

- संसद ने नए कानून को पास करते समय कई खामियों को ठीक किया
  - पुराने ड्राफ्ट में कई खामियां सामने आई थीं, लोगों को हो रही थी परेशानी
  - निल टीडीएस सर्टिफिकेट, हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन बटले
  - नॉन-एम्प्लॉइज के लिए पेंशन छूट और गुमाना दान के नियमों में भी सुधार किए
- कर्मशैल्य प्रॉपर्टी पर नियम में सुधार**  
पहले ड्राफ्ट में सिर्फ ऑक्ज्यूपाइड कर्मशैल्य प्रॉपर्टी को हाउस प्रॉपर्टी इनकम के टैक्स से बाहर रखा गया था, जिससे खाली पड़ी बिजनेस प्रॉपर्टी पर भी नोशनल रेट लगाने का खतरा था। समिति ने सुझाव दिया कि मौजूदा कानून की तरह ऑक्ज्यूपाइड और वैकेंट दोनों तरह की कर्मशैल्य प्रॉपर्टी को बाहर रखा जाए। संशोधित बिल में यह सुधार कर दिया गया है, जिससे बिजनेस के लिए रखी गई लेकिन फिलहाल खाली पड़ी प्रॉपर्टीज पर अनावश्यक टैक्स का टेंशन टल गया है।

**कर ढांचे में बदलाव**  
**● नई कर व्यवस्था में छूट की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया गया है, जिससे 12 लाख रुपये तक की आय वाले व्यक्तियों को कोई कर नहीं देना होगा।**  
**● 80एम कटौती को बहाल किया, जो कंपनियों को अंतर-कॉर्पोरेट लाभांश को कटौती के दावे की अनुमति देता है।**  
**टीडीएस और टीसीएस में बदलाव**  
**● टीडीएस की सीमा बढ़ा दी गई है, जैसे कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज आय पर टीडीएस की सीमा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1,00,000 रुपये कर दी गई है।**  
**● टीसीएस की दरें बदली हैं, जैसे ओवरसीज रेंटिमेंट स्कीम के तहत 7 लाख से लेनदेन पर टीसीएस की दर 0.5% से हटा दी है। अब 10 लाख से अधिक लेनदेन पर लागू होगी।**  
**अन्य बदलाव**  
**● धारा 206एबी और 206सीसीए को हटा दिया गया है, जिससे छोटे करदाताओं को राहत मिलेगी।**  
**● यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) के तहत कर लाभ बढ़ा दिए गए हैं।**  
**● स्टार्टअप के लिए 100% कर छूट की अनुमति होगी जो 1 अप्रैल, 2030 से पहले स्थापित किए गए हैं।**

**नया इनकम टैक्स कानून, जिसे आयकर (नंबर 2) विधेयक, 2025 के रूप में जाना जाता है, लोकसभा द्वारा पारित किया गया है। यह विधेयक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेगा और 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा।**



**खबर संक्षेप**

**मिठा के प्रतिष्ठान पर पहुंचे रणबीर गंगवा**  
फतेहाबाद। कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा अनाज मंडी में वरिष्ठ भाजपा नेता टेकचंद मिठा के प्रतिष्ठान पर पहुंचे। यहां टेकचंद मिठा व आए हुए अन्य गणमान्य लोगों ने उनका फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिला प्रधान प्रवीण जोड़ा, चैयमैन भारतभूषण मिठा, वरिष्ठ भाजपा नेता द्वारका प्रसाद, जगदीश शर्मा, सुनील चौधरी, कैलाश बतरा, आमप्रकाश सरदाना, शरद बतरा, जुगलकिशोर ढींगड़ा व अन्य मौजूद रहे।

**कीटनाशक की चोरी का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार**  
सिरसा। शहर थाना पुलिस ने चरित करवाई उभरते हुए कीटनाशक दवाइयों की चोरी के मामले का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरीशुदा माल भी बरामद किया है। पुलिस ने नरेश और राजेन्द्र उर्फ राध को गिरफ्तार किया है।

**अवैध पिस्तौल सहित युवक गिरफ्तार, केस फतेहाबाद।**  
सीआईए टोहाना पुलिस ने रात एवं अपराध जांच के दौरान एक युवक को नाजायज हथियार सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अभिषेक उर्फ अंभि पुत्र करण सिंह, निवासी वार्ड नंबर 2, राजनगर, टोहाना के रूप में हुई।

**माधोसिंघाना में चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार**  
सिरसा। सदर थाना पुलिस ने गांव माधोसिंघाना में हुई चोरी की वारदात का खुलासा कर लिया है। बीती 12 अगस्त की रात गांव माधोसिंघाना बस स्टैंड पर स्थित श्री बाला जी बरन भंडार का शटर तोड़कर चोरों ने 30 किलो कॉपर चोरी कर लिए थे। सदर थाना प्रभारी सुखदेव सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता दुकान मालिक सुभाष ने पुलिस को शिकायत बाबूलाल व मुकेश कुमार को गिरफ्तार किया है।

**जिला में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह**

हरिभूमि न्यूज **सिरसा**  
जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह शुक्रवार को स्थानीय शहीद भगत सिंह स्टेडियम में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में विभिन्न राज्यों की झलक दिखी। इसके अलावा उपमंडल स्तर तथा जिला के विभिन्न शिक्षण संस्थानों व सामाजिक संस्थाओं द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्यातिथि राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने ध्वजारोहण किया और परेड का निरीक्षण करते हुए मार्च पारट की सलामी ली। इससे पहले मुख्यअतिथि राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, उपायुक्त शांतनु शर्मा व पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक

**सत्संग**

**राधा स्वामी आश्रम रुपावास में परमसंत कंवर साहेब ने फरमाया सत्संग**

**सत्संग रूह का कल्याण करता है : कंवर साहेब**

हरिभूमि न्यूज, घोपटा  
तन की पवित्रता सेवा से धन की पवित्रता दान से और मन की पवित्रता हरि भजन से ही संभव है। गुरु के वचन में रहना सिख लो आप स्वयं तो क्या दूसरों का भी कल्याण कर जाओगे। लगन लगाओ क्योंकि जिसको लगन लगी वो युगों युगों अमर हो गए। बाना नहीं बान यानी आदत से भगत बनो परमात्मा के आसरे हो जाओ हर तरफ से निर्भय हो जाओगे। जो नेक होगा वो धैर्यवान और सहनशील भी होगा। यह प्रवचन संत कंवर साहेब महाराज ने रुपावास गांव में स्थित राधास्वामी आश्रम में जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित सत्संग में स्थित किया। जन्माष्टमी की शुभकामना देते हुए कंवर साहेब ने कहा कि आज का शुभ दिन है क्योंकि जहां आज हम अवतारी पुरुष श्री कृष्ण का जन्म उत्सव मना रहे हैं वहीं आज

**जन्माष्टमी पर हाथ में मक्खन, मिश्री लिए दिनभर मंदिर में श्याम भक्तों का लगा रहा ताता 'हाथी घोड़ा पालकी-जय कन्हैया लाल की' के जयघोषों से गूंज उठे शहर के मंदिर**

हरिभूमि न्यूज **फतेहाबाद**

जन्माष्टमी का पर्व जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया। जन्माष्टमी को लेकर शहर के सभी मंदिरों को लाइटिंग व फूलों की साज-सज्जा से सजाया गया। जन्माष्टमी पर्व पर शहर के श्री श्याम मंदिर, दुर्गा मंदिर, रघुनाथ मंदिर, मनकाेश्वर मंदिर, डीएसपी रोड स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर, लक्ष्मीनारायण मंदिर, गीता मंदिर, श्रीराम सेवा समिति धर्मशाला, ब्रह्मकुमारीज आश्रम सहित विभिन्न मंदिरों में सुंदर-सुंदर झांकियों का प्रदर्शन किया गया। शाम ढलते ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ती शुरू हो गई। जन्माष्टमी को लेकर जिला पुलिस प्रशासन द्वारा भी मंदिरों के बाहर कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए थे। मेन बाजार स्थित श्री श्याम मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जन्माष्टमी को लेकर भव्य तैयारियों की गई थी। मंदिर को रंग-बिरंगी लाइटों व फूलों से सजाया गया। मंदिर के पुजारी सोनू शर्मा ने बताया कि मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने भगवान को मक्खन, मिश्री, दूध, खोया, पनीर, बादाम आदि का भोग लगाया वहीं रात को केक काटकर श्रद्धालुओं में



फतेहाबाद। जन्माष्टमी की सुबह मंदिर में पूजा करने पहुंचे श्रद्धालु।

**रात-बाबा आज थाने आने है...पर झूमे श्रद्धालु**

सिरसा। सिरसा। शहर के हुडा सेक्टर-20, पार्ट-1 स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर में जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में समस्त हुडावासियों के सहयोग से और श्री लक्ष्मीनारायण संकीर्तन महिला मंडल की पूरी टीम की ओर से एक शाम कन्हैया के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री लक्ष्मीनारायण संकीर्तन महिला मंडल की अध्यक्ष सुमन वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि समाजसेवी मनीष सिंगला, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेविका पिकी देओल ने शिरकत की। डायटिशियन पूजा बंसल ने कार्यक्रम में ज्योत प्रज्ज्वलित की। अध्यक्ष सुमन वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मजल गायक राजेंद्र गनेरीवाल ने अपनी मधुर वाणी से भक्तों की अमृत वर्षा की। वहीं श्री लक्ष्मीनारायण संकीर्तन महिला मंडल की टीम ने अध्यक्ष सुमन वर्मा के नेतृत्व में नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आने है, मेरा रंग दे बसंती चोला, तेरी शान तिरंगा है।

प्रसाद वितरित किया गया। जन्माष्टमी के पूरे दिन मंदिर में भजन-कीर्तन होता रहा। शहर के जीटी रोड स्थित श्री दुर्गा मंदिर में जन्माष्टमी पर्व को लेकर तैयारियों की गई थी। बाहर से आए कलाकारों ने मंदिर में श्रीकृष्ण जीवन पर आधारित शानदार झांकियां बनाईं जोकि लोगों के आकर्षण का केन्द्र रही। दुर्गा युवा संघ को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई थी। श्री कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर शहर में धार्मिक सामान रखने वाली दुकानें सजी नजर आईं। कान्हा की सुंदर-सुंदर पोशाक और मूर्तियों से बाजार में दुकानों पर सजी थी।



फतेहाबाद। जन्माष्टमी को लेकर सजा श्री श्याम मंदिर।

**'आज है नंद उत्सव रे भाई', श्याम भजनों पर जमकर झूमे श्रद्धालु**

फतेहाबाद। गुरुकृपा सेवा मंडल फतेहाबाद द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बीघड रोड पर धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालुओं के मिलकर ज्योति प्रबंध की। मजल गायक भारत टुटेजा ने गणेश वंदना, गुरु वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उसके बाद किरण नागपाल, मंगल लाडला, ममता शर्मा ने सुंदर सुंदर भजनों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। टी सीरिज कलाकार भारत टुटेजा ने गुरुदेव चहारा तेरा है, आज है नंद उत्सव रे भाई, नंद के आनंद भयो, राधे राधे बोल श्याम आरयो, श्याम तेरे भरोसे मेरा परिवार है, इतनी कृपा सांठरे बनाये रखना आदि भजनों के साथ कृष्ण जन्म की लीला का वर्णन किया। श्री श्याम भजनों ने सभी को नाचने पर मजबूर कर दिया। उसके बाद छोटे-छोटे बच्चों द्वारा सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया और ठाकुर जी की बाल लीला का मंचन किया। महोत्सव में श्री श्याम दरबार देखने योग्य था। कार्यक्रम के अंत में आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर रजत मेहला, संतोष, दीपक मदन सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। उनके बाद सभी सदस्यों ने भारत टुटेजा का स्वागत किया और गुरुकृपा मंडल के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

**बीएड कॉलेज में एलुमनाई मीट, पास आउट छात्रों ने साझा किए अनुभव, प्रदीप चुने गए प्रधान**

फतेहाबाद। मनोहर मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन आज एलुमनाई मीट का आयोजन किा गया। इस कार्यक्रम से पूर्व छात्रों और वर्तमान विद्यार्थियों के बीच जुड़ाव और भी सशक्त हुआ। महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में एलुमनाई अध्यक्ष प्रदीप कुमार द्वारा ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रभक्ति की धुनों के बीच शुरू हुए इस कार्यक्रम में कॉलेज से पास आउट विद्यार्थियों ने

कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. गुंजन बजाज ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए पास आउट विद्यार्थियों का महाविद्यालय में पहुंचने पर स्वागत किया। इस मौके पर एलुमनाई मीट एवं एलुमनाई चुनाव आयोजित किए गए, साथ ही कचरल क्लब की ओर से मनमोहनक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। एलुमनाई चुनाव में प्रदीप कुमार को जहां प्रधान चुना गया वहीं अनिल जिंदल को वाइस प्रेसिडेंट चुने गए।

**ग्रामीणों ने मेडिकल स्टोर पर लगाया ताला**

हरिभूमि न्यूज **सिरसा**  
नशा मुक्त घोषित गांव जंडवाला जटान में ग्रामीणों ने एक मेडिकल स्टोर पर नशीली गोलियां बेचने का आरोप लगाते हुए तालाबंदी कर दी। इस घटना से मेडिकल संचालक के समर्थकों और ग्रामीणों के बीच हाथापाई हुई, जिसके बाद मामला ओढ़ां थान पहुंच गया। पुलिस ने



सिरसा। गांव जंडवाला जटान में मेडिकल स्टोर पर ताला लगाते ग्रामीण।

नहीं मिलीं। ग्रामीणों ने मेडिकल संचालक को 2 दिन के अंदर स्टोर हटाने की चेतावनी दी है। जानकारी अनुसार गांव की चौपाल में स्थित गुरुद्वारा की दुकान में राजपुत्र निवासी एक युवक मेडिकल स्टोर संचालित करता है। ग्रामीणों का आरोप है कि वह सर्रेआम नशीली दवाएं बेचता है, जिससे गांव का माहौल खराब हो रहा है।

**राज्यसभा सांसद बराला ने किया ध्वजारोहण शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि**

**कर्मचारियों को सम्मानित किया**

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कार्यक्रम में विभिन्न उत्कृष्टता कार्यों के लिए सराहनीय योगदान देने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनिथ जिंदिया, उपायुक्त शांतनु शर्मा, पुलिस अधीक्षक डा मयंक गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त विरेन्द्र सहरावत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला, एसडीएम राजेंद्र कुमार, पञ्चमी गुरविंद सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा यतिंद्र सिंह, नगर परिषद सिरसा के चैयमैन शांति स्वरूप, जगदीश चोपड़ा, राजकुमार गोवर, रोहतास जांगड़ा आदि मौजूद थे।



सम्मानित किया गया। सांसद बराला ने कहा कि हरियाणा की धरती वीरों की भूमि है। दस मई 1857 को अंबाला से स्वतंत्रता आंदोलन की जो चिंगारी उठी, उसने पूरे देश में आजादी की अलख जगा दी। उस चिंगारी ने गुलामी की नींव हिला दी। बराला ने कहा कि भारत की अस्मिता पर जब-जब चोट पहुंचाने का प्रयास किया है, तब-तब हमारे जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

**टोहाना में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस समारोह, जिप प्रधान ने किया ध्वजारोहण**

**शहीदों के सम्मान और जनता की मलाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: सुमन खिचड़**

टोहाना। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर टोहाना लघु सचिवालय प्रांगण में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला परिषद चैयमैन सुमन खिचड़ ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली और नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। परेड का नेतृत्व पीएसआई उमेश सिंह ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चैयमैन सुमन खिचड़ ने कहा कि आज पूरा भारत तिरंगामय है और हर गली-मोहल्ला देशभक्ति की गूंज से सराबोर है। तिरंगा हमारे गौरवशाली इतिहास, संघर्ष और सपनों का प्रतीक है। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले 22 अप्रैल 2025 और उसके जवाब में भारतीय सुरक्षाबलों द्वारा किए गए



टोहाना। कार्यक्रम को संबोधित करते जिला परिषद चैयमैन सुमन खिचड़।

**विभिन्न स्कूलों की रही भागीदारी**

इस अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टोहाना, बजरंग मॉडल स्कूल टोहाना, आदर्श स्कूल टोहाना, एसवीएम स्कूल टोहाना तथा डी.ए.वी. स्कूल टोहाना के बंड दलों ने मधुर एवं ऊर्जावान धुनों की अनुवाद में पूरे मार्च पारट को रोमांचक बना दिया। शिक्षण संस्थाओं के छात्र-छात्राओं द्वारा पीटी शो, डबल शो व लेजियम की शानदार प्रस्तुति दी गई। पीटी शो, डबल शो, व लेजियम शो में नवीन स्कूल टोहाना, बजरंग मॉडल स्कूल टोहाना सहित अन्य स्कूलों की भागीदारी रही।



टोहाना। विजेता टीमों को सम्मानित करते जिला परिषद चैयमैन सुमन खिचड़ व परेड का निरीक्षण करते जिला परिषद चैयमैन सुमन खिचड़।

**पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी के समर्पण को कमी मुलाया नहीं जा सकता: जोड़ा**

**बीजेपी कार्यालय में मनाई अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि**

हरिभूमि न्यूज **फतेहाबाद**  
देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि शनिवार को बीजेपी जिला कार्यालय में मनाई गई। बीजेपी जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा व प्रदेश सचिव सुरेंद्र आर्य के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्व. अटल जी को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उन्हें नमन किया। स्व. अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारत के ऐसे



फतेहाबाद। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते भाजपाई।

उठकर सभी के प्रिय बने। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष भीम लांबा, जगदीश शर्मा, अजय टुटेजा, जिप प्रधान सुमन खिचड़, संजय रेवड़ी, अशोक जाखड़ व अन्य मौजूद रहे।

# ना करें किसी से तुलना आप स्वयं हैं अनमोल



कई लोग हमेशा दूसरों से अपनी तुलना करते रहते हैं और खुद को कमतर आंकते हैं। ऐसे लोग न जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर पाते हैं और न ही खुश-संतुष्ट रहते हैं। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो आपको अपना नजरिया बदलना होगा। ऐसा कैसे कर सकते हैं, जानिए।

को प्राप्त और विकसित करके हम स्वयं को सुखी बना सकते हैं।

## जीवन के अंग अच्छा-बुरा

हमारे व्यक्तित्व और जीवन में अच्छाई के साथ-साथ बुराई भी मौजूद होती है। किंतु हमें उन बुराइयों को पहचान कर उन पर विजय प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। जीवन को संवरने के लिए हमें मूर्तिकार की तरह काम करना पड़ता है, जो अपनी मूर्ति बनाने के लिए पत्थर को काटता है, अनुपयोगी या अतिरिक्त पत्थर को छांटकर, छीलकर, राड़ कर, घिसकर उसे एक सुंदर आकार देता है। हम चाहे जितनी कितानें पढ़ लें और चाहे जितने ज्ञानी हो जाएं, लेकिन यह ज्ञान अगर हमारे जीवन में नहीं उतरता है, उसे प्रभावित, निर्देशित या निर्धारित नहीं करता है तो यह सब बेकार है।



## अतीत जैसा है आज का दौर

तुलना चाहे जैसी भी क्यों ना हो, व्यर्थ और निरर्थक ही होती है। चाहे वह व्यक्ति के संबंध में हो या समय और परिस्थिति के संबंध में हो। कुछ लोगों को अक्सर यही सोचकर दुखी और परेशान होते देखा जा सकता है कि पुराना जमाना बहुत अच्छा था। उनका मानना रहता है कि उस समय के लोग और परिस्थितियां अच्छी थीं, तब चीजें सरती होती थीं, लोग मिलनसार और सहयोगी थे, लूटपाट, चोरी और डकैती नहीं होती थी। यह एक गलतफहमी है कि दुनिया कभी बहुत अच्छी थी। जिस समय के लिए आप यह सब सोचते हैं, उस समय के लोग भी यही सब सोचते थे कि उनसे पहले की दुनिया अच्छी होती थी। आप किसी भी युग का इतिहास या साहित्य पढ़ लीजिए, उस समय के अत्याचारी राजा महाराजा, बादशाह, सेठ साहूकारों के लूट और शोषण के किस्से, गरीबी का आलम और महंगाई की दास्तान पढ़ने को मिल जाएगी। लुटेरें, धोखेबाज, अपराधी, लालची मित्र, कंजूस मालिक और ईर्ष्यालु रिश्तेदार या पड़ोसी हर जमाने में रहे हैं। भगवान राम का जमाना हो या श्री कृष्ण का, हरिश्चंद्र का जमाना हो या मुगल बादशाह अकबर या फिर ब्रिटिश काल, हर युग में खलनायक हुए हैं। हमारा मन ही कुछ ऐसा है, जो हमेशा बीते हुए काल में या दूसरों में परफेक्शन और सुख ढूंढता है। दुनिया में हर समय मुट्ठी भर लोग ही बहुत अच्छे और मुट्ठी भर लोग ही बहुत बुरे हुए हैं। बाकी के लोग तो हमारी और आपकी तरह सामान्य इंसान रहे हैं। इन दुश्चिंतकों, उलझनों और बेचैनी से बचने का सिर्फ एक ही रास्ता है, तुलना न करके अपने मन-जीवन का ध्यान खुद रखना।

## भावनाओं पर नियंत्रण जरूरी

कई बार आप अचानक इधर-उधर की बातों सोचकर, किसी की सफलता, समृद्धि या सुख को देखकर विचलित या दुखी हो जाते होंगे। स्वयं को कोसते हुए एक अनजान अपराधबोध से घिर जाते होंगे। ऐसी स्थिति से बचने के लिए अपनी भावनाओं पर बारीकी से नजर रखिए। आपकी विवेकशीलता ही इस भावनात्मक प्रभाव को रोक सकती है। यह क्षमता आपको स्वयं हासिल करनी होती है। जब आप दुखी करने वाली भावनाओं को पहचानना सीख लेते हैं तो खुश होने के



असर बढ़ने लगते हैं। आप तनाव और गुस्से में हों तो सोचिए कि इसकी मूल वजह क्या है? इसके पीछे कौन-सी चीज, व्यक्ति या स्थिति है? फिर यह विचार कीजिए कि वह क्या चीज है, जो आपको दूसरों से अलग बनाती है? यह ताकत आपको अनावश्यक गुस्से से बचाएगी और कोई वाजिब कारण है तो उसे दूर करने का मौका देगी।

## करते रहें आत्मविश्लेषण

इस बात से ज्यादा फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि लोग आपको कितने खिलाफ हैं या कितने लोग आपके समर्थन में हैं? आपको अपने आपको दृढ़ रखते हुए सही दिशा में कार्य करना होगा। आपको स्वयं से पूछना होगा कि मैं क्या हासिल करना चाहता हूँ और उसके लिए क्या कर रहा हूँ? जो कर रहा हूँ, उसमें क्या सुधार है, जिन्हें दूर करना है? बस फिर आपको सभी बाहरी चिंताओं से छुटकारा मिल जाएगा।



## नेचर है पावरफुल मेंटल हीलर

यह सच है कि आज की आधुनिक जीवनशैली में लोग तकनीक के जाल में उलझकर, नेचर से दूर होते जा रहे हैं। इसी वजह से लोग मेंटल प्रॉब्लम्स की गिरावट में आ रहे हैं। इनसे मुक्ति पाने के लिए हमें नेचर के करीब जाना होगा।

### लाइफस्टाइल बुधारा फातमा

आस-पास फैली हरियाली, नदी, समंदर, झरने न सिर्फ देखने में सुंदर लगते हैं बल्कि वे हमारे मन को हील करने में भी मददगार साबित होते हैं। आज दुनिया जिस सोशल मीडिया के जाल में फंसी जा रही है, उस वजह से हर दूसरा इंसान अकेलेपन से जूझ रहा है। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि एक तरफ टेक्नोलॉजी हमें चांद तक पहुंचा रही है, दूसरी तरफ हमारे पास एक अदद कोई अपना नहीं, जिससे हम अपने मन की बात कह सकें। आभासी दुनिया में भले ही टेरों फ्रेंड्स हों लेकिन वास्तव में कोई ऐसा दोस्त नहीं मिलता, जिसे

को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब जाना बहुत जरूरी है। खासतौर पर वर्कलेस का स्ट्रेस युवाओं को डिप्रेसन की तरफ ले जा रहा है। यही वजह है कि आजकल बहुत से लोग अच्छी-खासी जाँब छोड़ कर किसी पहाड़ी या समंदर के किनारे वाली जगह शिफ्ट हो रहे हैं। वास्तव में नेचर में एक हीलिंग पावर होती है। इसलिए बेहतर मेंटल हेल्थ के लिए नेचर से कनेक्टेड रहना बहुत जरूरी है। नेचर हमें फ्रेश, एनर्जेटिक और मेंटली हेल्दी बनाती है।

### मिलता है सुकून-शांति

जीवन की भाग-दौड़ में अगर कोई चीज हम से छिन गई है तो वो है हमारा सुकून। प्रकृति के पास जाकर थोड़ा समय बिताने से हमें खुद को जानने-समझने का मौका मिलता है। वरना मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया के युग में हम खुद के अस्तित्व को भूलते जा रहे हैं। प्रकृति हमारा मन शांत करती है और हम जीवन को नए नजरिए से देख पाते हैं।

### गार्डनिंग से मिलती है तनाव से मुक्ति

अगर आपके पास समय का अभाव है तो नेचर के करीब जाने की शुरुआत अपने घर के गार्डन से कीजिए। नए-नए फूलों वाले पौधे लगाइए। किचन के लिए कुछ हर्ब्स उगाइए। ये छोटी-छोटी आदतें हमें तनाव से बचाने में मदद करती हैं। भले ही ये शौकिया हों लेकिन इतनी देर आप प्रकृति से जुड़े रहेंगे, जो बिना किसी दवा और डॉक्टर के आपके स्ट्रेस को कम करेगा।

### नेचर के करीब करें वर्कआउट

जिम जाकर ट्रेडमिल पर भागने से अच्छा है, वर्कआउट के लिए किसी खुले और पेड़-पौधों से घिरे जगह का चुनाव करें। कानों में हेडफोन लगा कर



दौड़ना भले ही फैशन हो लेकिन अगर आप रनिंग या जॉगिंग कर रहे हैं तो प्रकृति को सुनने का प्रयास कीजिए। ये हमें मानसिक रिलेक्सेशन देता है। आज हम सब जिस तरह के आक्रामक और अशांत मानसिकता के बमते जा रहे हैं, वहां सिर्फ प्रकृति के पास ही वो पावर है, जो हमें शांत-चित्त रख सकती है। \*



हम अपना कह सकें। देश-दुनिया में डिप्रेसन के मामले और इसकी वजह से आत्महत्याएं इतनी ज्यादा बढ़ती जा रही हैं कि हेल्थ एक्सपर्ट्स डिप्रेसन को एक महामारी मानने लगे हैं।

### नेचर की ओर करें रुख

हेल्थ और फिटनेस कंसल्टेशन के लिए डब्ल्यूआईबीए अवार्ड विनर प्रमिला ओल्सन मुंबई की सेटलड लाइफ छोड़कर नीलगिरि की पहाड़ियों में आशियाणा बनाकर रहने लगीं। दरअसल, शोर-शराबा, दौड़-भाग और तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता से एक तरह का मानसिक दबाव महसूस होने लगता है, जिसकी वजह से प्रमिला को लगा कि अगर जिंदगी को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब रहना बहुत जरूरी है। लेकिन अब हर इंसान इतना बड़ा निरुत्तर तो नहीं ले सकता कि वो एक सेटलड लाइफस्टाइल को बदल ले, इसलिए अगर आपके आस-पास एक पार्क भी है तो दिन का थोड़ा वक्त वहां जरूर बिताइए। प्रमिला बताती हैं कि आजकल के डिजिटलाइजेशन के युग में लोग बहुत अकेले हो गए हैं और उन्हें कोई एक चीज बचा सकती है तो वो है प्रकृति।

### मेंटल हेल्थ के लिए जरूरी

आज के दौर में लोगों पर बढ़ता वर्कलोड और बढ़ता तनाव, इस बात का इशारा कर रहा है कि अगर जीवन

### कवर स्टोरी शिखर चंद जैन

कई लोग यह सोचकर हमेशा परेशान और दुखी रहते हैं कि वे दुनिया से पिछड़ गए। ऐसा अक्सर वही लोग करते हैं, जिन्हें यह आभास नहीं कि हम ईश्वर की अनमोल कृति हैं। प्रकृति ने हमें अतुलनीय गुण दिए हैं। दुनिया का कोई भी सजीव दूसरे सजीव से हबहू मेल नहीं खा सकता।

### तुलना है निरर्थक

इस बात को समझ लेना जरूरी है कि आप इस ब्रह्मांड में अपने जैसे अकेले ही हैं। इसलिए दूसरों से तुलना करना या उनके जैसा बनने की कोशिश करना व्यर्थ की मशक्कत है। इसमें अपना समय, श्रम, धन और ऊर्जा का अपव्यय करने की बजाय स्वयं को निरंतर निखारने के जतन करें। आम का स्वाद या आकार केले जैसा हो या अमरूद का स्वाद संतर जैसा हो तो क्या आप इसे कभी सच्चे मन से स्वीकार कर पाएंगे? आप करेले को उसकी कड़वाहट के साथ उसके गुणों के कारण ही तो स्वीकार करते हैं।

### एक तरह का क्रम है परफेक्शन

परफेक्शन यानी संपूर्णता एक ऐसी भावना है, जो हमें निरंतर परेशान करती है। लेकिन इसे कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि जिस पल आप स्वयं को किसी भी मायने में पूर्ण करते हैं, वह अगले ही पल बदली हुई परिस्थितियों और समय के कारण अपूर्ण या पुरानतन हो जाता है। संसार में बुराई, दुख और अपूर्णता अपरिहार्य हैं। दुख ऐसी भावना है, जो हर व्यक्ति के जीवन में किसी न किसी रूप में अनुभव होती ही है। अपूर्णता जीवन की मूलभूत सच्चाई है, जो हमें सिखाती है कि कुछ भी पूर्ण नहीं होता। बुराई और कमियां इस संसार में अंतर्निहित हैं। लेकिन धार्मिकता, पवित्रता और सरलता जैसे गुणों को विकसित करके उच्च अवस्था प्राप्त की जा सकती है। इस प्रक्रिया में अच्छे गुणों



### कविता विक्रम सिंह

### मछलियां और हम

मछलियां जमीं पर नहीं लेती सांस और हम, नम के नीचे घुटने को अभिशाप हैं। जंगलों की लाश पर उठते हैं हमारे मरुत, रर ईट में कैद है, एक सूखी सांस। एक वक्त आएगा... जब हवाएं भी पराई लेंगी, और हम मछलियों की तरह, अपनी ही धरती पर मुरझा जाएंगे।

### खंग्य / यशोधरा भटनागर

साफ-सफाई के दौरान कुछ पुराने बर्तनों में पीतल का लोटा हाथ आ गया। मैंने उसे नीचे रखा तो यहाँ-वहाँ लुढ़कने लगा। उसे तो अपनी बनावट के कारण लुढ़कने ही था, लेकिन हमें हिंदी की कक्षा में पढ़ाया गया मुहावरा जरूर याद दिला गया, 'बिन पेंदी का लोटा'।  
याद आया स्कूल में तो यह भी दूसरे मुहावरे जैसे ही रट लिया था जैसे 'गले का हार होना' या 'चिकना घड़ा होना', परंतु आज हमारे अंदर बैठे लेखक नामक जीव ने गुढ़ाधर्म में गोते लगाने के लिए मजबूर कर दिया।  
डुबकियां लगाते-लगाते ज्ञान प्राप्त हुआ कि आज के समय में बिन पेंदे का लोटा कोई मुहावरा नहीं, बल्कि खरपतवार की तरह फलती-फूलती एक प्रजाति है, जो राजनीति में, टीवी डिबेट में, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी में और मोहल्ले की चौपाल से लेकर सोशल मीडिया की टाइमलाइन तक हर जगह मौजूद है।  
पहले यह गुण नेताओं ने अपनाया। कहा जाता 'वो नेता बिन पेंदे का लोटा है, कब किस दल में चला जाए, कहा नहीं जा सकता।'  
गौर कीजिए एक नेता का वार्तालाप- 'मैं नैतिकता के आधार पर पार्टी छोड़ रहा हूँ।'  
'क्यों नेता जी?'  
'इस पार्टी में नैतिकता बची ही कहाँ है भैया, इसीलिए।'  
'तो किस पार्टी में जाओगे?'  
'जहाँ मंत्री पद मिलेगा, वहाँ नैतिकता भी मिल जाएगी।'  
नेता अगर पत्ता भी तोड़ता है, तो पहले हवा का रुख देखता है। गिरेगा तो उसी दिशा में, जहाँ टूटिंग हो। कल तक जो पार्टी उनकी निगाहों में 'गुलाम मानसिकता' की थी, आज वहाँ जाकर बोलते हैं, 'मैं राष्ट्रसेवा के लिए आया हूँ।'  
आजकल नैतिकता के जी.पी.एस. विहीन लोटों की कमी नहीं है। अब ये लोटे केवल राजनीति में ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी हैं। ये लोटे अब केवल पानी नहीं ढोते, ये व्यूज, लाइक्स और ब्रांड डीलस भी ढोते हैं। ये बिन पेंदी के लोटे डूबते-उतरते रीलों की लहर पर खूब बह रहे हैं।  
एक गुरुजी ने पहले कहा, 'हम नई पीढ़ी को आलोचनात्मक चिंतन सिखाएंगे।'

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हेरिस्टेटग बदलते हैं। 'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है।

## लुढ़कते लोटे



पेंदे का लोटा नहीं होना चाहिए। बर्तन बड़ा या छोटा हो पर पेंदे वाला हो। लेकिन आजकल हर कोई सोचता है, 'अगर लोटा बनेंगे, तो बहाव वहीं है, जहाँ पावर है।'  
अगर महाभारत आज लिखा जाता, तो शकुनि अपने भांजे दुर्योधन से कहता, 'मैं पांडवों का स्थायी दुश्मन नहीं हूँ, राजनीतिक परिस्थितियां बदल रही हैं। फिलहाल सोशल मीडिया पर पांचों पांडव ज्यादा ट्रेंड कर रहे हैं, तो मैं भी उनकी तरफ चला जाता हूँ।'  
आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हेरिस्टेटग बदलते हैं।  
'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है। सिर्फ एक चीज स्थिर है और वो है अस्थिरता! \*

### पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

### उद्भ्रांत का बहुविध रचनाकर्म

करीब डेढ़ सौ पुस्तकों के रचनाकार उद्भ्रांत का रचना संसार बहुत विस्तृत है। उनके रचनाकर्म के विभिन्न आयामों पर अनेक आलोचकों के द्वारा लिखे गए लेखों की पुस्तक 'उद्भ्रांत का रचनाकर्म' कुछ समय पूर्व कैलाश बाजपेयी के संपादन में प्रकाशित होकर आई है। इसके पहले खंड में 19 आलोचनात्मक लेख हैं, जबकि दूसरे खंड में हरभजन सिंह मेहरोत्रा द्वारा उद्भ्रांत पर लिखा गया संस्मरण और शहंशाह आलम द्वारा लिया गया उद्भ्रांत का साक्षात्कार भी संकलित है। उद्भ्रांत की प्रसिद्ध रचना 'रुद्रावतार' पर डॉक्टर आनंद सिंह लिखते हैं, 'उद्भ्रांत की विशेषता यह मानी जानी चाहिए कि उन्होंने आधुनिक कविता के गद्याभासी समकालीन समय में मिथकाभासी छांदस कविता रचकर संश्लिष्ट सर्जनाशक्ति का परिचय दिया है, जो आजकल विलुप्त हो गई प्रवृत्ति है।'  
शहंशाह आलम के द्वारा पूछे गए एक सवाल पर उद्भ्रांत का यह कथन उनकी लेखकीय प्रतिबद्धता को प्रकट करता है, 'हर कवि अपनी कविता का मुहावरा स्वयं खोजता है।' कह सकते हैं कि यह किताब उद्भ्रांत के रचनाकर्म को समझने का रास्ता मुहैया कराती है। \*

पुस्तक: उद्भ्रांत का रचनाकर्म (आलोचना), संपादक: कैलाश बाजपेयी, मूल्य: 245 रुपये, प्रकाशक: नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

